ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

# हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है।

## कक्षा -६

हिन्दी (LOWER)

पाठ -2

बगुला भगत



Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

## २. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) प्र. बगुला तालाब के किनारे किसका वेश बनाकर बैठा था और वह क्या सोच रहा था?

उत्तर- बगुला तालाब के किनारे साधु का वेश बनाकर बैठा था। तालाब के किनारे बैठा बगुला तालाब की मछलियों से अपना पेट भरने का उपाय सोच रहा था।

ख) प्र. मृत्यु के मुख से बचने केलिए बगुला ने मछलियों को क्या उपाय बताया?

उत्तर- बगुले ने मछलियों को मृत्यु के मुख से बचने का यह उपाय बताया कि वह एक- एक करके सभी मछलियों को अपनी चोंच में पकड़कर दूर एक बड़े तालाब में छोड़ आएगा।

ग) प्र. बगुला मछलियों को क्या करता था?

उत्तर- बगुला तालाब में से एक मछली ले जाता और दूर जंगल में एक बड़े तालाब के किनारे बड़ी चट्टान पर बैठ उसे मारकर खा जाता।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

# ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए-

क) प्र. प्रस्तुत कहानी हमें क्या संदेश देती है? अपने शब्दों में विस्तार से लिखिए।

उत्तर- प्रस्तुत कहानी हमें संदेश देती है कि कभी किसी का बुरा नहीं करना चाहिए । बुराई का अंत बुरा होता  है। धूर्त और दुष्ट व्यक्ति का अंत बुरा होता है। बुद्धि बल से ही दुष्ट की समाप्ति की जाती है। बिना सोचे - विचार किसी की बात पर विश्वास नहीं करना चाहिए। विवेक का सहारा लेकर अच्छे-बुरे की पहचान करनी चाहिए। बगुला मछलियों को नए तालाब का लालच देकर अपना शिकार बना लेता है। सभी मछलियाँ उसकी बातों में आकर अपनी जान गँवा देती है। अंत में बगुला केकड़े को भी अपना शिकार बनाना चाहता है परंतु केकड़ा अपनी सूझ-बूझ के कारण न केवल बच जाता है वरन् धूर्त बगुले को भी मार देता है।

ख) प्र. किसी को धोखा देना अच्छा होता है या नहीं? तीन चार वाक्य में उत्तर लिखिए।

उत्तर- किसी को धोखा देना अच्छी बात नहीं है। धोखा देने वाला कुछ समय के लिए तो सफल हो जाता है परन्तु उसकी असलियत एक -न- एक दिन सबको पता चल ही जाती है। धोखा देने वाले का अंत बहुत बुरा होता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

# THANKING YOU

# ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow